1118/22 (M)

आपका अनुक्रमांक.....

Sl. No. of Question Paper : 5312

Unique Paper Code : **12107605**

Name of the Paper : **Indian Theories of Consciousness**

Name of the Course : **B. A. Hons. Philosophy**

Semester : **VI**

Duration : **Three Hours** Maximum Marks : **75**

**Instruction for Candidate**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt on this question paper.
इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Answer may be written either in English or Hindi : But the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर का माध्यम एक ही होना चाहिए।

**Attempt any Four question, All question carry equal marks**

***किन्ही चार प्रश्नो के उत्तर दें, सभी के अंक समान है।***

1. Discuss the Philosophical significance of three boons given by Lord Yama to Nachiketa in *Kathopanishad.*

भगवान यम द्वारा नचिकेता को काठोपनिषद में दिए गए तीन वरदानों के दार्शनिक महत्व पर चर्चा करें

2. " Beyond the senses are the objects, beyond the object is the mind, beyond the intellect is the Great *Ātman*….". Explain the nature of Self (*Ātman*) according to *Kathopanishad.*

"परे इंद्रियां वस्तुएं हैं, वस्तु से परे मन है, बुद्धि से परे महान आत्मान है ..."। काठोपनिषद के अनुसार स्वयं (आत्मा) का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. The soul is neither born, nor does it ever die; nor having once existed, does it ever cease to be. The soul is without birth, eternal, immortal, and ageless. It is not destroyed when the body is destroyed.

Discuss the nature of Soul according to the *Bhagvadgita*.

आत्मा न तो जन्म लेती है, न कभी मरती है। और न ही एक बार अस्तित्व में होने के बाद, क्या यह कभी भी होना बंद हो जाता है। आत्मा जन्म, शाश्वत, अमर और युगहीन बिना है। शरीर के नष्ट होने पर इसका नाश नहीं होता है।
भगवद्गीता के अनुसार आत्मा का स्वभाव की चर्चा करें।

4.How does Nāgasena explain the concept of Soul through the example of a chariot. Discuss in the context of *Mlindapanha*.

कैसे नागसेन आत्मा की अवधारणा को एक रथ के उदाहरण के माध्यम से कैसे समझाते हैं। मिलिंदपन्ह के संदर्भ में चर्चा करें।

5. How the notion of superimposition (*Adhyāsa)* is explained by Shankarāchārya in *Brahmasūtrabhāsya*.

ब्रह्मसूत्रभाष्य में शंकराचार्य द्वारा अध्यास की धारणा को कैसे समझाया गया है।

6. Discuss Chārvaka's notion of soul and its criticism given by Jayanta Bhatta in his *Nyāya Mañjari*.

चार्वाक की आत्मा की धारणा और जयंत भट्ट द्वारा उनकी न्याय मंजरी में दी गई आलोचना की चर्चा करें ।